प्रश्न पत्र– 1 (हिंदी)

01. निम्न में से किस शब्द की वर्तनी शुद्ध है?
    1. निरसता
    2. नीरसता
    3. निरषता
    4. निम्नता
02. 'नेता' का सही स्त्रीलिंग शब्द क्या है ?
    1. नेतृ
    2. नेतिन
    3. नेत्री
    4. नेताइन
03. 'समुच्चय' का संधि विच्छेद क्या है ?
    1. समु + च्चय
    2. सम + उच्चय
    3. सम + अच्य
    4. सम् + उत् + चय
04. 'शोणित' किसका पर्यायवाची शब्द है?
    1. चांदी
    2. चंदन
    3. रक्त
    4. धरती
05. 'अवतार' में किस उपसर्ग का प्रयोग हुआ है ?
    1. अनु
    2. अप
    3. अव
    4. अति
06. 'तुम उसे पत्र लिखो।' यह कैसा वाक्य है ?
    1. इच्छावाचक
    2. सन्देहवाचक
    3. विधानवाचक
    4. विस्मयबोधक
07. 'भेद खुलने' के अर्थ को व्यक्त करने वाला मुहावरा है–
    1. कलई खुलना
    2. पालिश टूटना
    3. भण्डा फोड़ देना
    4. कोई नही।

निम्नलिखित अवतरण को पढ कर प्रश्न 8 से 13 तक के उतर दीजिए–

समाज को यदि एक वृक्ष मान लिया जाए, तो अर्थनीति उसकी जड़ है। राजनीति आधार, विज्ञान आदि उसके तने है और संस्कृति उसके फूल। इसलिए नए समाज की अर्थनीति या राजनीति आदि पर ही हमें ध्यान नहीं देना है, क्योंकि मूल और तने की सार्थकता तो उसके फूल में ही है। फिर इन तीनों का संबंध परस्पर इतना गहरा है कि आप इन्हें अलग–अलग भी नहीं कर सकते। नई अर्थनीति और राजनीति के साथ एक नई संस्कृति का विकास हमारी आंखों के सामने हो रहा है, भले ही हम देख न पांए या उसकी ओर से आंखे मूंद लें। अन्य क्षेत्रों में हमारी पंचवर्षीय योजनाए आ रही है, किन्तु क्या यह आश्चर्य की बात नहीं है कि संस्कृति के विकास में प्रगति के लिए भी व्यापक योजना हमारे सामने नहीं आ रही हैं। जब राजनीति और अर्थशास्त्र दूसरी बड़ी योजनाओं में लगे हैं, ओ कलाकारो! चलो हम अपनी परिमित शक्ति के क्षेत्र में कुछ काम कर दिखाएं। आखिर कार यह क्षेत्र भी तो हमारा ही है। गुलाब की खेती के माली तो हम ही है। फूल के संसार के भौंरे तो हम ही हैं, हम न करेंगे तो कौन करेगा ?

08. समाज, रानीति, अर्थनीति, विज्ञान और संस्कृति क्रमशः प्रतीक है–
    1. जड़, आधार, फूल, वृक्ष और तने के।
    2. फूल, वृक्ष, जड़, आधार, और तने के।
    3. वृक्ष , आधार, जड, तने और फूल के।
    4. वृक्ष, जड़, आधार, फूल, और तने के।
09. आर्थिक विकास और वैज्ञानिक उन्नति के बाबजूद हमारा विकास अधूरा है, जब तक.....
    1. सांस्कृतिक उत्थान न हो।
    2. रानीतिक उत्थान न हो।
    3. भौतिक विकास न हो।
    4. आध्यात्मिक उन्नति न हो।
10. 'गुलाब की खेती' स लेखक का तात्पर्य है–
    1. सुंदर उद्यानों का निर्माण
    2. सौंदर्य की दृष्टि।
    3. औद्योगिक विकास।
    4. सांस्कृतिक अभ्युत्थान
11. सांस्कृतिक उत्थान के लिए सर्वाधिक उतरदायी है–
    1. राजतीतिज्ञ
    2. कलाकार
    3. वैज्ञानिक
    4. अर्थशास्त्री
12. मूल और तने की सार्थकता किसमें है ?
    1. पते
    2. फूल
    3. डाली
    4. जड़
13. उपर्युक्त गद्यांश का सर्वाधिक उचित शीर्षक है–
    1. समाज एक वृक्ष
    2. पंचवर्षीय योजना
    3. कलाकार और सांस्कृतिक विकास
    4. राजनीतिक और सामाजिक उत्थान
14. 'जो, सो' किस प्रकार का सर्वनाम है?
    1. संबंधवाचक
    2. प्रश्नवाचक
    3. निश्चयवाचक
    4. अनिश्चयवाचक
15. 'ऋग्वेद' कौन सी संज्ञा है?
    1. भाववाचक
    2. व्यक्तिवाचक
    3. जातिवाचक
    4. द्रव्यवाचक
16. 'सप्तर्षि' में समास है–
    1. अव्ययीभाव

www.rsnotes.in

2. द्विगु
3. बहुव्रहि
4. कर्मधारय

17. 'प्रत्येक' में समास है–
1. अव्ययीभाव
2. तत्पुरुष
3. कर्मधारय
4. द्विगु

18. 'वाग्दान' का सही संधि–विच्छेद है–
1. वाग् + दान
2. वाक् + दान
3. वा + ग्दान
4. कोई नहीं।

19. 'ठ' का उच्चारण स्थान है–
1. कंठ
2. तालु
3. दंत्य
4. मूर्द्धा

20. स्पर्श व्यंजनों की संख्या है–
1. 10
2. 25
3. 18
4. 19

21. जिसकी आशा न की जाए–
1. निराशा
2. उदास
3. प्रत्याशित
4. अप्रत्याशित

22. 'अनेक' का बहुवचन होगा–
1. अनेक
2. कई
3. अनेकों
4. कुछ

23. 'निंदा' शब्द का विमरीतार्थक होगा–
1. दोषारोपण
2. स्तुति
3. कृतज्ञ
4. सम्मान

24. ; चिह्न का नाम है–
1. पूर्ण विराम
2. अर्द्ध विराम
3. अल्प विराम
4. अपूर्ण विराम

25. 'वार्षिक' में प्रत्यय है–
1. इक
2. षक
3. एक
4. कोई नहीं।

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्न संख्या 26 से 30 तक उतर दीजिए–

आवश्यकता इस बात की है कि हमारी शिक्षा का माध्यम भारतीय भारतीय भाषा हो, जिसमें राष्ट्र के हृदय–मन–प्राण के सूक्ष्मतम और गंभीरतम संवेदन मुखरित हों और हमारा पाठ्यक्रम यूरोप तथा अमेरिका के पाठ्यक्रम पर आधारित न होकर हमारी अपनी सांस्कृतिक परम्पराओं एवं आवश्यकताओं का प्रतिनिधित्व करें।

26. लेखक शिक्षा का माध्यम किसे मानता है ?
1. जन भाषा
2. भारतीय भाषा
3. विदेशी भाषा
4. सभी।

27. राष्ट्र का संबंध है–
1. बुद्धि
2. भावना
3. जीवन
4. भाषा

28. जीवन का आधार है–
1. पहनावा
2. खानपान
3. संस्कृति
4. रहन–सहन

29. पाठ्यक्रम आधारित हो–
1. संस्कृति
2. मानसिकता
3. परिवेश
4. आचरण

30. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक है–
1. शिक्षा का माध्यम
2. हमारी संस्कृतिक परम्परा
3. शिक्षित जन और सामान्य जनता
4. हमारी शिक्षाः माध्यम और पाठ्यक्रम

उत्तर अगले पेज पर देखें।

www.rsnotes.in

उतर (प्रश्न पत्र– 1)

01. 2
02. 3
03. 4
04. 3
05. 3
06. 1
07. 1
08. 3
09. 1
10. 4
11. 2
12. 2
13. 3
14. 1
15. 2
16. 2
17. 1
18. 2
19. 4
20. 2
21. 4
22. 1
23. 2
24. 2
25. 1
26. 2
27. 2
28. 3
29. 1
30. 4

www.rsnotes.in

www.rsnotes.in